%%A. D. 1190‒1436

%%Ś. 1112‒1358

%%( From 1184—19-9-1264 A. D.)

%%p. 329

No. 187

Lakshmī-Narasiṃha Temple at Siṃhāchalam<1>

( S. I. I. Vol. VI, No. 976; A. R. No. 316 of 1899;

I. M. P. Vol. III, P. 1681, No. 144 )

Ś. 1220

(१।) स्वस्ति श्री शाकवर्षे द्यु-भुज-रविमिते सिंहमाने तृतीयादस्रक्षे(र्क्षे)

(२।) सोमवारे हरकुलतिलको गोत्रतः काश्यपाख्यः [।] मांकादित्यस्य सू-

(३।) नु वि(र्वि)मलतरजय[ः] श्रीजय[ं]तक्षमाभृच्छ्रीदेवी नदनोयं

(४।) नरहरेस्सिहभूभतृ(र्तृ)भर्त्तुः [१] पंच्चाशन्नैचिकीनां गण[म]-

दिशदमा दी-

(५।) पदंडुं स्वदीपाविच्चित्यै गोपयुक्तं सवृषपरिवृत स्वीय राज्या-

(६।) भिवृध्यै [।] पूजार्त्थ पुष्पवाटीं वहुकुसुमफलामाशशांक्कार्क्क-

(७।) तारं धर्म्मावेतौ समृद्धं विशदतरधियो वैष्णवाः पालयत्तु ।। [२]

(८।) शकवर्षवुलु १२२० गु नेंटि सिंह कृष्ण तृतीय्ययु सोमवारमुनांडु<2>

(९।) ओड्डवादि मांकादित्यदेवराजुल कोड्कु जयंत्तकदेवराजुल तम राज्या-

(१०।) भिवृद्धिगानु श्रीनरसिंहनाथुनि सन्निधियंदु दीपदंडु सहितमुगा<3>

<1. In the thirty-first niche of the verandah round the central shrine of this temple.>

<2. The date is not correct although the corresponding date should be the 28th July, 1298 A. D. Monday.>

<3. The inscription ends here.>